











मी-वैम्बाभाव नभ

मीभर्गा-मर्म्-मर्द्भग-रुगवस्य र-परभुरागउ-भुलाभाध-भत्रः -पी०भा म्-िक मु-िक भके ए-पी०भा रणम्ब-मी-मद्भग्राट-भ्राभि-मीभ०-भंभूपनभा

# क वैरी-पुर ॥प्णन-प्रस॥

(ग्रग्रभ्) [विच्चिम्वराप्रष्टं मुङ्गा]

मुक्राभ्रा-एरं विभूमिनवरं छरुरूभा। प्भन्न-वर्म पृष्येऽ भन्न-विभूपमान्या प्"न्यभा भभेपा ३ + का वैरी-मिवी-प्भाम-भिम्नुरं, का वैरी-प्रदं करि मा

> यम्ब्रुभुम्बलभम् कुलवभनं अम्ब्रुभनम्मा पृप्तिनीं गक्नुकेरिप्राभा। **७**५२५वरा ६ वा स्कब्ल मं राभुमुभागात्रभानुरुणिगं प्रारुप्भवानेनं म्-िगम्मिभभुडी र निलयं पृचा भिका विकास । । । कार्वेगी-मेरीं पृष्याभि॥

> > म्बिक्ष विम्नम्य भित्र राम लिम् नि यम् एमि ल क के पृश एल प्राफिप म के ए के पृः कर्वेर एया झिवभुर्यमुं ॥ वैद्य-एयू-माभु-परिपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 



पयंभि उीग्गिन मिलाम दिवरा रिवेंकमें वाल्कउं प्पन्ः। नमी मक्तिरिप्भुउ म्रे मिरिक्षभाष्ट्रभन्दैरलष्ट्र ॥ करवेरी-मेवीभा मुवाक्या भि॥

मुरावारि विणयुभानमभुडा प्रशाद्विगयुर हुवः तुभुरुवम् उम् म्यिङ उभू चम्चिर्पणी। मीरभुंडल कुभूभेव्यविलम मुयुरभए एच न-मुरायएभाषभ्लेष भिकर भट्टा मिस म्मुरा कार्वेगी-मेर्वे नभः, गुभनं भभगु या भि॥

भक्ष्वि भक्षाः स्वी भक्षाः स्वीक्री। भवारी सूप्र लेकभा उः पा मूं ममाभि उ॥

भन्द्वि भार्यालय्वाक कवरकर् नभगं मर्ह्य भान् एगरु एउभप्राव का विवि का विवि भभ प्भी मा। कार्वेरी-मेर्हे नभः, पाम्नं मभर् याभि॥

> मरुपारेमुव हिव मीर में क्रिमिना क वरीन भविष्ट उ एक ल्यु ने भे भुउ॥

भ्योनका क्वीरिउ-पृष्टकीर कला ल्या रहे भिउमान पृद्ध। क्भेम्वप्रिउग्भिउ कवि कवि भभ प्भीमा क वरी- में हैं नभः, यां मभरा या भि॥

> मीभक्टमैल उनचे भवाभक्ट निवासि (११) प्मारं कुरु में दिवि प्मना हव महदा।

मंभा र विम्मिनि मंभू उपनं भवाभभंजारित भववन्। मभभुले कैं कमर ए भुर क विवि क विवि भभ पुभी मा। कार्वेरी-में रूप में मूर्य भनी वं में भन्य वा भि॥ वैर-ण गु-माभ-पिर पाल न-मरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

रुर रुर मर्द्वर

उलाभाम उकावरी भवडी ग्राम्ड नमी। पेक्क-भंजरी वास्पिमण्डलप्रा

ठकु न्क न्भी भनि रु गृल कि निट्ट एगन् मल मानमील। निराक्षन मिक्पमगङ्ग कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा कार्वेगी-मेर्दे नभः, पक्काभ्उभानं मभगुवाभि॥

कार्वेगी डीग समुनः भूग पिक् भन्नी हन्। उम्नारिमीउवाउँ मुभू भृक्ति प्यानि वै॥

भेबिम्बेपामिउ-पाम्पम् निर्टे ज्यीमम् जिल्मुस्पा मम्मिव ण उवर प्भाम कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभी मा। करं वरी-में वर्षे, मुद्देमक भार मान या नि॥ भार रात्र मा ग्रामनी यं मनर या नि॥

> कवंगक नुका विभिगाना मना यिक। वभुष्ण वमरुवम् इित्रभितिप्राधित॥

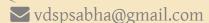
मैविपुण् विभन नमीम परास्त राविउनि हुपुरू। मभमुले केंड्रभडी रूभगडः क वैरि क वैरि भभ पुभी ए॥ कार्वेरी-मेर्वे नभः, वसं मभर् याभि॥

भवयह्रम्यउए भवयह्रभकायिति। यहरूमभुव दिवि भवयहदलप्रा

कलि प्रुउ गिपल मै धन म विसुम्बिद्धनस्लप्वारु करभूकल्द्राकरभूपृक्त क वैरि क वैरि भभ प्भीमा

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

© 9884655618 **Д** © 8072613857 **Д** wdspsabha@gmail.com **© vdspsabha.org** 



कार्वे नी-में हैं नभः, यक्षेपवीउं मभर् या भि॥

एवरिव एगमुउद्गेपभुर पुराउने। एवर्द्द् रवेम्र रि भम्नल भम्नल प्रा

प्मीर का रुए-गुल्रिका म प्भीमः कलुग्यः उरम्वार्छ। प्मीम काभामिकर पविर क वैरि क वैरि भभ प्भी मा। 

> **ग्रन्**न गरुक भुरी कि भवा लुक के भर्रैः। ग द्वैभु द्वैद्र के गई भी कु मरुस्॥

मुद्गे भरे गिन् वपुष्टभारे प्रातिभप्रेष्ठकवेर राष्ट्र । मनन्भाणगणवैहवाद् क वैरि क वैरि भभ प्भी ए॥ कार्वेरी-महिं नभः, गङ्गाना एप या भि॥

यमृं भक्त्युनभाराच्चीऽबयुद्धलं लच्छा। नबर्भालुवसूर्भबर्गे चयाभूरुभा ॥ कार्तरी-महिं नभः, मन्डाना मभर्यामा

किरीएक र के बेर मेर स्वास्ट कर्योः । रुंभकैर्रापला हैस रुधवे द्वां भग्नुण भा॥ कार्वेरी-मेर्दे नभः, गुरुर १०० न मभर् या भि॥

उएई क्ष्रभुइं ए भिन्, रं क्स्न्ला रिक्भा। भेभक्कतूप्र दिव गुज्र १०१ मुबल्ल है। कार्वेगी-महिं नभः, उएइमिकाना मभर्यामा

उलभीविव्यभगू ग गुम उपर्कः उन्नीवरैः केकनदैग्रल्लकैः कभलैगिपा वॕऀ<del>ढ़</del>-ॻॻॣ-माभु-पविपालन-मङा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

कार्वेरी-मेर्हे नभः, प्रभानां मभर्या मा

कल्राः पुर्राक्सि पुष् भेगित्रिकारिः। एडी-ग्रभुक-पुत्राग-भिल्लाका-केडकामिकिः॥

भूगिकिम्लिक्स मन्त्री गन्नगण्ट-कम्भूकैं। पुष्क भक्तभुद्र भाउत्रिष्टलक्करलं कुरु॥

**उक्र**स्तुनुउनिकवामनावामिउन्नुिः मिवृः मुभवरैः पुरु पुरु चेडा पुरु दिहः॥ कार्वेरी-महिं नभः, पृष्कः मभ्रष्ट्या भि

#### म्म मङ्ग-प्रहा

भग्नुणच नभः भ्रजन्मु नभः **৸**হৃকবৃক্ত বী নঞ मगभू नु मगभूपङ्गै नभः कार्वेद्ध नभः लेपाभुम्च नभः वरप्राचै नभः कभए लुमभुरु नुष्टे नभः भवडी रू णि में वडा चै नभः विरस्य नभः ८िक्णगङ्ग<u>च</u> नभः र्क्वविभूमिवाद्मिकाचै नभः नेर् प्रस्वाभि ग्रुविण्यते सूर् नु गरुग नन कनुक व नभः मिरः प्रस्थाभि मवा धीस्प्रा है नभः

पार्रे पुरुषानि गुलू प्रस्याभि एरू प्रयाभि एन्नी प्रस्याभि भग्रभा प्रस्याभि न िभा प्रस्याभि रूम्यभा प्रस्याभि भुने पुरुषा भि ग्रज प्रस्याभि क्रभा प्रस्याभि नामिकाभा प्रस्याभि मैं इ प्रस्याभि वकुभा प्रस्याभि भवाधः इति प्रस्याभि

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 

✓ vdspsabha@gmail.com 😯 vdspsabha.org

## कार्वेद भेरूरमउनाभावितः

मननु-गुल्य-गभीराचै नभः म्र ५५३-मिवि उचै नभः मभ्उभु म्-मिलल च नभः मगभूभृति-ना विकाचै नभः मुमानु-कीन्नि-दिल का चै नभः गुमुगागभ-विचित्र नभः **उ**डिकाम-पुरालेकुचै नभ गंडिग ण-निवारिष्ट नभ उन्। इस्न- प्रभू वै नभः उक्तियानन्-मायिन् नभ एिभि ५,-मुमं वी उच्चे न भः ८ ५३ व- विभेग्न न व न भ ल्पु-एम्-एनेस्रग्र व नभः लुनराव-विविक्ति उच्च नभ एणि उपीपल-लेक मि चै न भ **टिटिकाभीभिकर्याः** व नभः एद्वर न म्-निनम् वै नभः छभणीत्रुउ-स्पैवनाचै नभः एमर गुण-निम्सि मृ व नभः ष्ट्रमीन्-निकारिष्टै नभ मनुःकर ८५- मंमृ वृष्टि नभः मम्ब-भृम्ब-एलाम्याचै नभः किपलापृ-नमी-भिग्गचै नभः करण-प्रक्र-भारमाचै नभः क वैरी-न भ-विापृ उ वै न भ काभिउ र्-दल-प्राचै नभः कुभूभेल-बुर्-नामाचै नभः कें उकप्षभ-प्राच्चे नभ पिगर ए-र वें क्स ठ-र इस्त्ल-भूमे ि उर वें न भ

वॅम्-ण∓-मप्-परिपालन-मरुप

© 9884655618 **4** © 8072613857 **4** 





रुर रुर मर्द्धर ापगावली-मभाक्त वुकल्लोला विलिभित्र उच्चे नभः 3. गए र ए : - भृतिभी रू - प्राफ - ए न भेकि है न भः गायुरापृ-मिला-भणुष्य नभः गरुराभन-रिक्रियाचे नभः भन-गभीर-निनाम-निच्चरप्रि-निच्याचै नभः ग्रन् प्रका-भग्रम् चै नभः ग्रउगानन-पृद्धिकाचै नभः ग्रेल रूम-रूनेसूप-ग्रिप्कल-प्वारिन्हें नभः ग्रमुब्द-मभानीउचै नभः **ळम्**ग्रेप-निवारिष्ट नभः स्भृद्वीप-मिरम्ब्रुक्ष-नमी-नम-गरीयम् नभः ग्रह्मराम्-भंभ्रम्-भर्माल-भभाकुलाचै नभ ह्रचैक-भागन-प्राचै नभः **ऋपिभाउँ ग्रि-कारिष्टै न**भः ए हिरान वम-बृष्ट-मिविष्ट-भुदि-पादिष्टै नभ ० द्वर राष्ट्र- भम्र प्र- १७ च री मु उ- प्रवेश चै न भ रुकिनी-मकिनी-भद्भनिवारण-भिराष्ट्रचे नभः रक्त-निराम्पारी - पात्र उीम-मभामि उच्चे नभ "° नुवा ग्रु-िम्द्रभाम-वेगमा पन-उद्याची नभ उरम्वलि-मंविम्-भूम्-वाल्क-मेरिउ च नभ उपिमु एन-भक्का र-निविमिउ-मिला भना चै नभ उपर्य-उरुमुल-गम्मिरिकारिभुउरचै नभः षानु-प्भष-भंभेबु-भाभु-भानिष्ठ-काविष्टै नभः म्या-माबिए-मङ्कामील-लेक-मुरावि उच्च नभ माबिल्ल हु- स्पेम्रा-निविधार-मयाविश्व नभ एन-भान-भमाद्वामि-भर्ग-निवर्गन-पि्याचै नभः नभस्निम्गर-मीलाचै नभः निभद्गम्पन-पावनाचै नभः न गारिकें उ-निलया वैनभः नाना-डीग्रुणि-म्बराचे नभः वैम्-एम्-मप्-पिर्यालन-मरा

© 9884655618 **♦** © 8072613857 **♦** wdspsabha@gmail.com **© vdspsabha.org** 

रुर रुर मद्वर 8 नारी एन-भनेल्लाभाष्ट्री नभः न न गुप-द्रल-प्राच नभ नग्यण-मुपा-गुपाय नभ नाम्बङ्ग-भुरुपिष्ट नभः पराहुउ-मभमुष्पाचै नभः पमु-पङ्गा रि-स्पीवना चै नभः पापरुलाग्नि-मम्,माचै नभः पापिश्रस्त-पावनाचै नभ द्रतीन्-कीरिउ-कलाचै नभः दलम्पन-प्रायल्थ्य नभः उकर्द्र उपे-वेग-दलमभ्रु५-८ चना वै नभ गरुरुप-मिपामुभ्-भ्रभाद्यक-एलाद्भिनां-(कभल)(क्रीभ)ब्द्-मालुन्-मान-निच्चिउ-विरुपाचै नभः रुगवङ्ग उ-भन्ने धार्चे नभः रुभुरबँ ३-गाभिनै नभ रुगीर षी-भभक्तु-उलाभाभ-स्लाम्याचै नभः भस्नम् चन-प्रमुम्मच यं रूप्भा चन्तृ नभः भाभ-वैमापारि-भाभ-भान-भूगा-भीपृद्याचै नभ यः - ए न-उपः-क मुके ए - पृष्ट - दल - प्राचै न भः यब-गन्नत-भिम्नि म्हिरिहिस्उ-पम्पन्नया व नभः रभुनाम-परम्बन् विरासिउ-मिलाउलाचै नभः गभना मप्राह्य इ-का भए न्-मभा म् उप्त नभः लवेरक-भ्रमभाउ-निवाण-पर-राधिन नभ लक्ती-निवाम-मह्ताचै नभः लल ग- 1 ३- रु पिष्ट नभः लभुत्रु-भूज-रेगाचै नभः लावए-गुल-मागगाचै नभः विक्पिश्चर-भाविम्हाणु वै नभः विन् उपापल-लेकपाचै नभः वृष्पपर्-बर्-पराचै नभ वैद्य-एप्-माभु-परिपालन-मङा © 9884655618 **4** © 8072613857 **4** vdspsabha@gmail.com vdspsabha.org

<u> वृेभयान-मभाव उपय</u>ै नभः भद्रल-वन्-ग्रगण्ये नभः **५**द्भ<sub>य-</sub>नि४उ-पि्याचै नभः परुद्गि-एउ-भेद्गिक चै नभः मत्रुप्तर्य-मंमुम्-उप्पर्य-स्पाम् उचै नभः मस्भिम्पा-मन्नानमभर्-भूप्वालि है नभः भरभुटा मि-मिवी हिर हिव नि.उ-नि चर चै नभ मक्टमैल-मभ्मु उचै नभः मङ्गमङ-एत-पियाचै तभः मङ्गभब्द-माभीपृष्टि नभः भूवमा रू-ग्रउध्याचै नभः भेरिकिइ-निलयाचै नभः भेषागु-दल-मावित्त नभ मंमयाविस-८,रभुः चै नभः भार्भेपाप्त-प्रलेम्याचै नभ रुपि-वृद्धम-लेकम-भिम्नव गुप-विनु उपी नभ ब्द-रीग्नि-भीभा गुचै नभ ब्याना घ-भृमीउला चै न भ बभाउलापिलान नु-बिभ-मी-विस्यावका चैनभः ॥ ७ डि म् कि वेट है इरम उन भाविनः मभुत्रा॥

कार्री-महें नभः, नाना-विण-पिन्भल-पर्-प्यालि मभर्या मि।

### उरुगम्पर

वॅम्-एम्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 💋 © 8072613857 💋 vdspsabha@gmail.com 🔮 vdspsabha.org

ममङ्गे गुम्ले पउम्ग त्रे भू एउर एः। भरम्ण भूक विरा प्रीय मभित्रः॥ कार्तरी-में रे नभः, प्रथमा मुण्ययानि॥

उलागउँ उटिनि वरा छिरा -गङ्गामिकः मिविउपाम्पम् दिके ए डी ग्रुम् भ- पृक्षगर् कार्वे कार्वे विभाग प्रभी मा

*प्ट्रैं*डिमुभमृभू **ु मुभभभु ब उँ ए**मा। मुपे उँ एः प्रा द्विक विकास मिप्रियं प्रिगृहराभा॥ क वृंगी- इं नभः, सीपं समया भि॥

> ममाभ उलाहिर नस्ण मा-**न्म** भग्ने लीय ए न भू ठुकिप्र भुकिविण नम्ब कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

मनं गरुविणं रुष्ट्रं मा कर्मा स्वरभाग मद्रलं मभ् उं हुई का विरि उपिउं वरे॥

कार्वेरी-महिं नभः, नैवेमं भभर् याभि॥ पानीयं भभर् याभि॥ उङ्गापेमनं भभर् याभि॥ निवस्त रूप म्याभनीयं मभर्याभा

> निष्किण नमवल्यम् उपनं निम्निधपापब्यकारिली हुभा। निम्प्यभूप्रम्-निगमम्ब कार्वेरि कार्वेरि भभ पुभीम्॥ कार्वेगी-महिं नभः, फलं कर् ग-उ भुलं ए मभर् या भि॥

> > परामरागभुवभिश्वभृष्ट्रित्। भक्ति किया नृउपेकिर भू **३भाम् उक्म**०मिम्निष्ठः कार्वे कार्वे मिन पुर्मी मा

वैर-एर्-माभ्-परिपालन-भरा

🔎 9884655618 💋 🔑 8072613857 💋 🔛 vdspsabha@gmail.com 🔮 vdspsabha.org



भवडीर्रे भुलाभाम इत्रीरास्परपाद्धका। नीर एयाँ भि ठक्टा द्वां का वेद प्र भग्न ए॥ कार्वेरी-मेर्हे नभः, नीरा एनं मभगु या भि॥

> भाष्ट्राभण्यः नमुभूभणमा -रीरङ्गराङ्गुम्लभहगा द्वभी। मभेम् व भित्र युउँ भुउन् क वैरि क वैरि भभ प्भी मा।

प्रकिलं करें भि द्वं पृत्रधारु प्राविति। মিজপেব যুক मी निवाम খ্রি । শৃত্ব দুটা। कार्वेरी-मेर्हे नभः, प्मिबिलभा मभर् याभि॥

> **ब्रङ्गामि कि र्**यवर्गे सि्भ त्रं विभिष्ठ पृत्ते मुनि रित्र गिष्ठः । निट्टं गएर एग उँ विषेत्र क वैरि क वैरि भभ पभी मा॥

नभमु उएउं भृष्टि निगभागभमंभुडे। पारि पारुभू का वैशि प्यां भंग मुपाम् मा। कार्वेगी-महिं नभः, नभभागाना मभग्याभा

## ॥मजुप्रानभी॥

भरम् ए भन्न राग भन्न के कथा विना गुरु "अं भया मंड्रं पावनं कुरु भंग ममा। कावद्य नभः - अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा॥

विभूभाचे भका काचे करेरा तुलभभुव। भक्टा ग्रलमभृम्हुउँ गुक्ताला कुं वरप्राधा कार्वेद्धे नभः - अम्भयुभा अम्भयुभा अम्भयुभा॥

वैम्-णग्न-माभु-परिपालन-मरा

मुभ्मभ्वमुभु उ द्वं मङ्गभनकपृ एया। महिंद्रकेन मङ्गाउँ गुरुए० मुं मभूद्रगाआ कार्वे नभः - अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा अम्भग्नुभा॥

भन्द्वि भन्न न्त्रीमुरुकतृ भगभुडी। मगमुपद्मी कावेरी लेपा भूम् वर प्राथा

कभगः ल्मभ्रुवः भवडी ग्रिपि द्विष्ठः। विर ए एकि ए ग म र कि विभूमि व भिका । अ।

गरुविगदलेम्गरी गरुग ननकनुका। भवा ठी स्प्रा दी ए ना भी भेरम के भूउभी। एिक्य भप्रहेविदं पुरुचिम् किभावगः॥॥

> भ्वाभिनीनं य निष्मिउनं पिंडिप्यिक्वं स मुङा स्विनभा। म्पृभूम् गं वक्रेगराग्रं कं विवि क विवि भभ पुभी मा।

निम्प्याज्यप्रवलद्वपृष्ट-प्मिम्नमद्भग्न प्रति प्रचिन न् लभडी भुग र विण विनी दें क वैरि क वैरि भभ पृभी मा।

पापन्यं पारिमुप्रभाय्गरीगृमेव पा भे रागुभिप भगु ने ह्र नं हिन्छ भग्नु 🗓॥ उउ मभुरू॥ भ्वाभिनीकुः वायनमानान

॥इडि व्डाग्र राभागे का वैगी-प्रस्विणिः॥ छ उउर मध्र इक्टरु स्मिन्



वैर-एर्-मप्-परिपालन-मरा

© 9884655618 💋 🕲 8072613857 💋 🔛 vdspsabha@gmail.com 🔞 vdspsabha.org